**SHRI KRISHAN LAW COLLEGE, KOTPUTLI (JAIPUR)**

**LL.M. (PART-I) (Session-2020-21)**

**Paper-I – Law and Social Transformation in India**

**(भारत में विधि एवं सामाजिक परिवर्तन)**

**नोटः– निम्नलिखित प्रश्न केवल अनुमान पर आधारित हैं इन पर पूर्णतः निर्भर नहीं रहे।**

Q.1. Explain 'Social Transformation' and how it transforms social institution to Contemporary social needs? Illustrate your answer.

'सामाजिक परिवर्तन को स्पष्ट कीजिए और बताइए कि यह किस प्रकार सामाजिक संस्थाओं को समसामयिक आवश्यकताओं के अनुकूल करता है? उत्तर की पुष्टि में उदाहरण दीजिए।'

Q.2. Law is not enough to introduce social change. It has various components which augur social change. Discuss.

समाजिक परिवर्तन के लिए विधि पयप्ति नहीं है। इसके बहुत से अवयव है जो कि सामाजिक परिवर्तन की भविष्यवाणी करते हैं। विवेचना कीजिए।

Q.3. Point out some judicial decision which have augmented social change in India.

उन कतिपय न्यायिक निर्णयों को इंगित कीजिए जिनसे भारत में सामाजिक परिवर्तन में वृद्धि हुई है।

Q.4. "Religion promotes social change in a society."

– Max Waber.

Comment.

''समाज में धर्म से सामाजिक परिवर्तन को प्रश्रय मिलता है।''

– मैक्स वेबर

व्याख्या कीजिए।

Q.5. Discuss and reconcile secularism and religious freedom under the Constitution of India.

भारत के संविधान के अधीन पंथनिरपेक्षता तथा धार्मिक स्वातंत्रय में सांमजस्य स्थापित कीजिए।

Q.6. Explain the term 'Empowerment of Women'. Point out the social factors which have obstructed social improvement of women in India.

'महिला सशक्तिकरण' से आप क्या समझते हैं? उन कारकों को इंगित कीजिए जिन्होंने भारत में महिलाओं के सामाजिक सशक्तिकरण में बाधा डाली है।

Q.7. Define Naxalism and Marxism. Point out the reasons for existence of Marxism in India.

नक्सलवाद और मार्क्सवाद को परिभाषित कीजिए। भारत में मार्क्सवाद की विद्यमानता के कारण बताइए।

Q.8. Explain the socialist thought of Vinoba Bhave on Law & Justice.

विनोबा भावे की कानून व न्याय पर सामाजिक विचारधार को स्पष्ट कीजिए।

Q.9. Crimes against women do not abate in spite of stringent Criminal laws. Give reasons.

कठोर दण्ड विधियों के होते हुए भी महिलाओं के विरूद्ध अपराध कम नहीं होते हैं। कारण बताइए।

Q.10. Write a short Critical note on Uniform Civil code towards gender justice.

लैंगिक चाप की दिशा में समान सिविल संहिता पर एक संक्षिप्त आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

**SHRI KRISHAN LAW COLLEGE, KOTPUTLI (JAIPUR)**

**LL.M. (PART-I) (Session-2020-21)**

**Paper-II – Constitutional Law of India and New Challenges**

**नोटः– निम्नलिखित प्रश्न केवल अनुमान पर आधारित हैं इन पर पूर्णतः निर्भर नहीं रहे।**

Q.1. Explain the Concepts of Constitutional Law and Constitutionalism.
संवैधानिक विधि एवं संविधानवाद की धारणा को समझाइए।

Q.2. Discuss about the concept of federalism and challenges before it in India?
भारत में परिसंघवाद एवं इसके समक्ष उपस्थित चुनौतियों के विषय में बताइये।

Q.3. "Equality is a myth so right to equality is also a myth. Equality is achieved only in graveyard." Discuss this statement in the light of Indian constitution.
समानता एक भ्रम है इसलिए समानता का अधिकार भी एक भ्रम है समानता तो केवन कब्रिस्तान में ही प्राप्त की जा सकती है। इस कथन को भारतीय संविधान के परिप्रेक्ष्य में समझाइए।

Q.4. Explain with the help of decided cases the relative importance of protection of minority rights under the Constitution of India.
भारतीय संविधान के अंतर्गत अल्पसंख्यकों के अधिकारों की सुरक्षा का महत्व निर्णित वादों की सहायता से समझाइए।

Q.5. "The Directive Principles of State policy Constitute a comprehensive political, social and economic program for a modern democratic welfare state." Explain.
'राज्य के नीति निदेशक तत्व आधुनिक लोकतांत्रिक कल्याणकारी राज्य का व्यापक राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक कार्यक्रम है।' विवेचना कीजिए।

Q.6. What are the main features of Judges Case I, II and III ? What are the merits and demerits of present collegium system? Will creation of N.J.C. ensure greater independence and transparency in the appointment of Judges? Give reasons.
न्यायाधीश वाद प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय की मुख्य विशेषताएं क्या है? वर्तमान कोलेजियम व्यवस्था के गुण एवं अवगुण क्या हैं? क्या राष्ट्रीय न्यायिक आयोग का गठन न्यायाधीशों की नियुक्ति में अधिक स्वतंत्रता एवं पारदर्शिता लाएगा। सकारण उत्तर दीजिए।

Q.7. Under what circumstances parliament can made laws on subjects of state list and when laws made by state legislature prevail on parliament laws?
किन परिस्थितियों में संसद राज्य सूची के विषयों पर कानून बना सकती है तथा कब राज्य विधानमंडल द्वारा बनाया कानून संसदीय कानून पर प्रभावी होता है।

Q.8. Explain the basic concepts and future effects of Re-organization of Article 370 and 35-A by the Indian Constitution.
भारतीय संविधान के 370 एवं 35–ए के पुनर्गणन की मूलभूत संरल्पना एवं इसके भविष्यलक्षी प्रभावों को समझाइए।

Q.9. Discuss the various provision of Amendment of the Constitution with speial reference to the basic structure theory.
संविधान में संशोधन के विभिन्न

प्रावधानों की विवेचना मूलभूत ढांचे के विशेष संदर्भ में कीजिए।

Q.10. Write short note on ;

(i) Grass Root Democracy

(ii) Democratic Decentralization and local self Government

(iii) Nexus of politics with criminals and business

(iv) Power of Judicial Review

(क) जमीनी लोकतंत्र

(ख) लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण और स्थानीय स्वशासन

(ग) अपराधियों और व्यापार से राजनीति का संबंध

(घ) न्यायिक पुर्नविलोकन की शक्ति

**SHRI KRISHAN LAW COLLEGE, KOTPUTLI (JAIPUR)**

**LL.M. (PART-I) (Session-2020-21)**

**Paper-III – Judicial Process**

**न्यायिक प्रकिया**

**नोटः– निम्नलिखित प्रश्न केवल अनुमान पर आधारित हैं इन पर पूर्णतः निर्भर नहीं रहे।**

Q.1. What do you understand by Judicial Process. Is Judicial Process is an instrument of social ordering.

न्याय प्रकिया से आप क्या समझते हैं ? क्या न्यायिक प्रकिया सामाजिक व्यवस्था का एक साधन है ?

Q.2. Explain the tools and techniques of judicial creativity and precedent?

न्यायिक रचनात्मकता और मिसाल के उपकरणों और तकनीकों की व्याख्या कीजिए।

Q.3. Comment on following :-

(a) Notions of Judicial review (b) Varieties of Judicial and Juristic activism

निम्न पर टिप्पणी कीजिए :–

(अ) न्यायिक पुनर्विलोकन पर अभिमत (ब) न्यायिक सक्रियता एवं उसके प्रकार

Q.4. What are the different principles of judicial role in constitutional decisions? Explain.

संवैधानिक विनिश्चयों में न्यायिक भूमिका के विभिन्न सिद्धांत क्या हैं ? समझाइए।

Q.5. Explain the 'Independence of Judiciary' and the Political Nature of Judicial Process.

न्यायपालिका की स्वतंत्रता और न्यायिक प्रक्रिया की राजनीतिक प्रकृति की व्याख्या कीजिए।

Q.6. What are the New dimensions of Judicial Activism and there structural challenges.

न्यायिक सक्रियता के नए आयाम क्या हैं और उसकी मूलभूत चुनौतियां कौनसी हैं ?

Q.7. What is the scope of concept of Justice or Dharma in Indian thought?

भारतीय चिंतन में न्याय या धर्म की अवधारणा के क्या क्षेत्र हैं ?

Q.8. Explain the various theories of Justice of Liberal tradition.

उदारवादी परंपरा के न्याय के विभिन्न सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए।

Q.9. Comment on : -

(i) Equivalence theories (ii) Dependency theories

(iii) The Independence of Justice theories

टिप्पणी कीजिए :–

(अ) समतामूलक सिद्धांत (ब) निर्भरता का सिद्धांत

(स) न्याय की स्वतंत्रता के सिद्धांत

Q.10. Analysis of selected cases of Supreme Court where Judicial Process influenced by theories of Justice.

सर्वोच्च न्यायालय के चयनित मामलों का विश्लेषण कीजिए, जहां न्यायिक प्रक्रिया न्याय के सिद्धांतों से प्रभावित है।

**SHRI KRISHAN LAW COLLEGE, KOTPUTLI (JAIPUR)**

**LL.M. (PART-I) (Session-2020-21)**

**Paper-IV – Legal Theory and Human Rights Philosophy**

**विधिक सिद्धान्त और मानवाधिकार दर्शन**

**नोटः– निम्नलिखित प्रश्न केवल अनुमान पर आधारित हैं इन पर पूर्णतः निर्भर नहीं रहे।**

Q.1. Critically evaluate Bentham's theory of positivism.

बेंथम के प्रत्यक्षवाद के सिद्धांत का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

Q.2. "American realism is combination of the analytical positivism and sociological school". Explain.

''अमेरिकी यथार्थवाद विश्लेषणात्मक प्रत्यक्षवाद और समाजशास्त्रीय स्कूल का संयोजन है।'' समझाइए।

Q.3. Write a note on Von Savigny and also explain its application in India.

वॉन सविग्नी पर एक टिप्पणी लिखिए तथा भारत में इसके अनुप्रयोग की भी व्याख्या कीजिए।

Q.4. Examine the definition of law given by Salmond and also compare it with Austin's definition of law.

सामंड द्वारा दी गई विधि की परिभाषा की विवेचना करते हुए इसकी ऑस्टिन द्वारा दी गई विधि की परिभाषा से तुलना कीजिए।

Q.5. Discuss theory of 'Social Engineering' given by Roscoe Pound with its Indian application.

रास्को पाउंड द्वारा प्रतिपादित 'सामाजिक अभियांत्रिकी' के सिद्धांत की विवेचना करते हुए भारत के संदर्भ में उल्लेख कीजिए।

Q.6. Discuss the relationship between Law and Morality in the light of Hart-Devlin debate with appropriate Judicial decisions.

उचित न्यायिक निर्णयों के साथ हार्ट–डेवलिन बहस के आलोक में कानून और नैतिकता के बीच संबंधों पर चर्चा करें।

Q.7. Critically evaluate theories of feminist Jurisprudence in context with Indian Legal System.

भारतीय कानून व्यवस्था के संदर्भ में नारीवादी न्यायशास्त्र के सिद्धांतों का समालोचनात्मक मूल्यांकन करें।

Q.8. "Rights are not the gifts from the God or any favour done by the Legal System." Discuss the concept, nature and theories of rights.

''अधिकार ईश्वर की ओर से उपहार या कानूनी प्रणाली द्वारा किया गया कोई भी उपकार नहीं है।'' अधिकारों की अवधारणा, प्रकृति और सिद्धांतों पर चर्चा करें।

Q.9. Human rights were earlier recognized by the society as 'Natural Rights' or 'Rights of Man'. Explain the evolution of human rights in the light of Natural Law theory.

मानव अधिकारों को पहले समाज द्वारा 'प्राकृतिक अधिकार' या 'मनुष्य के अधिकार' के रूप में मान्यता दी गई थी। प्राकृतिक विधि सिद्धांत के आलोक में मानव अधिकारों के विकास की व्याख्या कीजिए।

Q.10. Global Justice is an Exegesis of Contemporary theories. Explain it.

वैश्विक न्याय समकालीन सिद्धांतों की एक व्याख्या है। इसे समझाइए।

**SHRI KRISHAN LAW COLLEGE, KOTPUTLI (JAIPUR)**

**LL.M. (PART-I) (Session-2020-21)**

**Paper-V – Legal Education and Research Methodology**

**विधिक शिक्षा एवं शोध पद्धति**

**नोटः– निम्नलिखित प्रश्न केवल अनुमान पर आधारित हैं इन पर पूर्णतः निर्भर नहीं रहे।**

Q.1. Discuss the objectives of Legal Education with the help of various statutory provisions and Juristic opinions and committee reports in India.

भारत में विभिन्न वैधानिक प्रावधानों और न्यायिक राय और समिति की रिपोर्ट की सहायता से कानूनी शिक्षा के उद्देश्यों पर चर्चा करें।

Q.2. What are the Concepts of 'Clinical Legal Education? Discuss the forms and procedure of imparting Clinical Legal Education and explain the Nature of syllabus to this context.

'नैदानिक कानूनी शिक्षा' की अवधारणाएं क्या हैं? नैदानिक विधिक शिक्षा प्रदान करने के रूपों और प्रक्रिया की चर्चा कीजिए और संदर्भ में पाठ्यक्रम की प्रकृति की व्याख्या कीजिए।

Q.3. What is meant by 'Research and Socio Legal Research? State the areas in brief where socio legal research may be done. Also point the utility of socio-legal research.

'शोध कार्य' एवं 'सामाजिक विधिक शोधकार्य' से क्या तात्पर्य है? संक्षेप में उन क्षेत्रों के बारे में बताइए जिनमें कि सामाजिक और विधिक शोध कार्य किया जा सकता है। सामाजिक और विधिक शोध कार्य की उपयोगिता के बारे में भी उल्लेख कीजिए।

Q.4. What is a research problem? Discuss various steps in the formulation of a research problem.

शोध समस्या क्या होती है ? शोध समस्या के निरूपण के विभिन्न चरणों का वर्णन करें।

Q.5. Explain the meaning and steps of inductive and deductive method research. Discuss the relationship between presumption of facts under Indian Evidence Act, 1872 and deductive method.

शोध की आगमनात्मक विधि एवं निगमनात्मक विधि का अर्थ एवं चरणों का वर्णन करें। भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के अन्तर्गत तथ्यों की उपधारणा एवं निगमनात्मक विधि के मध्य सम्बधों का वर्णन करें।

Q.6. Discuss the sources, method, importance and limitations of case study method.

केस अध्ययन पद्धति के श्रोत, विधि, महत्व और सीमाओं का वर्णन करें।

Q.7. What is questionnaire method of data collection? Mention its advantage, disadvantage and significance.

सूचना संग्रहण की प्रश्नावली विधि क्या है ? इसके फायदे, नुकसान एवं महत्व बताइए।

Q.8. Write short notes on :

(a) Tabulation of data (b) Research problem

संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :–

(अ) आंकड़ों का सारणीकरण (ब) शोध समस्या

Q.9. Write short notes on following :-

(a) Deduction method (b) Use of empirical method in legal research

(c) Computerized research

निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :–

(अ) निगमन प्रविधि (ब) विधिक अनुसंधान में अनुभव सिद्ध प्रविधि की उपयोगिता

(स) कम्प्यूटरकृत अनुसंधान

Q.10. What is sampling? Distinguish between Probability sampling and non probability sampling and explain their significance.

प्रतिचयन क्या है ? प्रसम्भावयता प्रतिचयन और अप्रसम्भावयता प्रतिचयन में अंतर करते हुए इसके महत्व की विवेचना कीजिए।